

ब्रेवदी ने इस दौरान स्क्रॉलिंग व क्रम में छ अन्तरी प्रताप, गाल सिंह कत को



उदयपुर। फतहसागर की पाल पर घूमने आई महिला पर्यटकों का फतहसागर की खूबसूरती देख कर जैसे उनका मनमयूरा ही नाच उठा। पहिला पर्यटक ने फतहसागर के साथ पूरी मस्ती में झूमते हुए फतहसागर के साथ फोटो खिंचवाया। - फोटो- राजेन्द्र हिलोरिया

ने किया, ह्या गौड़,

पानी त



उदयपुर, (नसं)। जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं भारतीय प्राकृत स्कालर्स सोसायटी, उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 10 फरवरी, 2025 को डा. दौलतसिंह कोठारी स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जैनधर्म और विज्ञान के समन्वय के प्रतीक डा. दौलतसिंह कोठारी विषय पर केन्द्रित था। कार्यक्रम में संरक्षण प्रो. सुनीता मिश्रा, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. उदयपुर और अधिष्ठाता प्रो. नरसिंह गडोड का रहा। अध्यक्षता प्रदान करते हुए प्रो. दिग्विजय पाठगार ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रकृति के साथ जीवन को सौलिक तरीके से जिया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इमरो के भूतपूर्व वैज्ञानिक और वर्तमान में डा. दौलत सिंह कोठारी शोध और शिक्षण संस्थान उदयपुर के अध्यक्ष डा. सुरेन्द्र सिंह पोखरण ने डा. दौलतसिंह कोठारी के विज्ञान और अहिंसा के विचारों की वर्तमान में उपादेयता विषय पर वक्तव्य प्रदान करते हुए कहा कि

विज्ञान एवं अहिंसा के प्रतीक थे: डा. दौलतसिंह कोठारी

विज्ञान की प्रगति के साथ में जो हथियारों की दौड़ शुरू हो गयी है, वह विश्व को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा रही है। साथ में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को विषम स्थिति इसमें आगे में भी कार्य कर रही है। पर इससे भी गम्भीर बात यह है कि हर वर्ष विश्व में जीवों की लगभग 25000 हजार प्रजातियाँ लुप्त हो रही हैं और हर वर्ष गंगाघाट के लिये विश्व में 15000 करोड़ जीवों को मारा जा रहा, जिससे पर्यावरण को बहुत बड़ा खतरा है। यहाँ तक कि 1970 से लेकर 2020 तक के पचास वर्षों के अंतराल में पृथ्वी के 60 प्रतिशत जीव नष्ट हो गये हैं और पृथ्वी अब छोटे महासागरों की ओर तीव्र गति से बढ़ रही है। ऐसी परिस्थिति में विज्ञान के साथ आध्यात्मिक और अहिंसा को भी अपने जीवन को सभी गतिविधियों के साथ जोड़ना होगा। आर्थिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। उन्हीं संयुक्त राह संघ द्वारा घोषित महात्मा गाँधी के जन्म दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाने के प्रस्ताव के अनुरूप दस वर्षों में किये

गये कार्यों की झलकिया भी प्रस्तुत की। विज्ञान महाविद्यालय एवं पी. जी. डीन डा. के. वी जीसी ने कहा कि वर्तमान में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में आध्यात्म और विज्ञान का श्रेष्ठ समन्वय देखा जा सकता है जहाँ एक ओर गंगाजी में करोड़ों लोगों को डुबकी लगाकर आध्यात्म का अनुभव और आनन्द ले रहे हैं वहीं पर करोड़ों लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिये वैज्ञानिक विधियों, प्रबंधन और कई तरह के उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। आपने आगे कहा कि वर्तमान में चल रहा कुम्भमेला प्रयागराज आध्यात्म का प्रतीक है। भारत के हर व्यक्ति में आध्यात्म समाया हुआ है। आज अहिंसा से पर्यावरण, मन और विचार विरुद्ध हो सकते हैं और इससे निःसंदेह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण हो सकता है। प्रो. प्रेम सुमन जैन ने कहा कि विज्ञान के धर्म नहीं चल सकता और विज्ञान धर्म के बिना ही वर्तमान में यत्नाचार पूर्वक कार्य करने से विवेक जागृत हो जाता है। प्रो. कल्पना जैन नई दिल्ली ने

सीता संवाद



कहा कि वाल्मव में धर्म और विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। अतिथियों के वक्तव्य से अनेक प्रकार से चिंतन करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। व्याख्यान समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष डा. ज्योतिबाबू जैन ने स्वागत वक्तव्य एवं विषय प्रवेश करते हुए कोठारी जी की जैन अहिंसात्मक जीवन शैली पर प्रकाश डाला। विभाग के सहायक आचार्य डा. सुमन कुमार जैन ने 'तं विष्णुर्माणं जहति धर्मो' अर्थात् विज्ञान वह है, जहाँ धर्म है आदि सुभाषित प्राकृत उक्तियों के माध्यम से कार्यक्रम का संयोजन किया। अन्त में भारतीय प्राकृत स्कालर्स सोसायटी के महामंत्री डा. सुभाष कोठारी ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त से किया। प्रो. नीरज शर्मा, डॉ. कुंज आचार्य, डा. डी. एस. वया, डा. सुरेश सालवी, डा. खुशाल गंग, डा. राज सिंह, डा. सुकेश कुमार मीणा आदि सभी आगन्तुक अतिथियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम गरिमा पूर्ण सफल रहा।

गान



भारतीय र भाजपा समारोह के रूप में पीएचडी अध्यक्ष जलाध्यक्ष। खटीक, जलाध्यक्ष II, वरिष्ठ विप्लवी

पाण्डुलिपियों में मौजूद है भारत की ज्ञान- विरासत

उदयपुर, (नसं)। संस्कृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में श्रीमद् एकलिंग व्याख्यानमाला के अन्तर्गत आज पाण्डुलिपि विज्ञान और उसका भविष्य विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता डेकन कॉलेज, पुणे की पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. विनया श्रीरामार थी। प्रो. विनया ने कहा कि प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ और पाण्डुलिपियाँ भारतीय ज्ञान-परंपरा की अमूल्य विरासत हैं जिन्हें हमारे पूर्वज तपस्वियों और विद्वानों ने लिखा और संरक्षण करना तथा इनकी लिपियों का शिक्षण प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। केवल यह कह देना मात्र ही पर्याप्त नहीं है कि वेद समग्र ज्ञान का मूल है अपितु उस ज्ञान को पाण्डुलिपियों के माध्यम से पढ़कर, खोज कर व तथ्यात्मक तौर पर प्रस्तुत करना भी

जरूरी है। प्रो. विनया ने व्याख्यान में शामिल शोधार्थियों को ज्ञानवर्धन करते हुए पाण्डुलिपियों के संग्रहण, प्रकार, आधार, स्याही और लेखनी के स्वरूप तथा पाण्डुलिपि लेखन की विधाओं के बारे में बताया तथा कंप्यूटर और नई तकनीक के साथ पाण्डुलिपियों पर कार्य करने की संभावनाओं की भी चर्चा की। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने भारतीय ज्ञान-पद्धति के संदर्भ में पाण्डुलिपियों की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए पाण्डुलिपियों के अंतरंग और बाह्य पक्षों के बारे में बताया। डॉ. जी. एल. पाटीदार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरलीधर पालीवाल ने किया। कार्यक्रम में विभागीय शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों सहित पूर्व अधिष्ठाता प्रो. हेमंत द्विवेदी, हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. नवीन नंदवाना, राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी, समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजू सिंह, राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतीश अग्रवाल, डॉ. राजकुमार व्यास, डॉ. कैलाश गुर्जर, डॉ. सुमन जैन तथा अतिथि विभाग से डॉ. कोपल वत्स, डॉ. स्नेहलता टेलर और डॉ. अंजलि सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

पीएफसी एज्युकेशन में छात्रों और

उदयपुर, (नसं)। पीएफसी एज्युकेशन ने हमेशा शिक्षा के साथ-साथ खेल और सह-शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इसी क्रम में छात्रों और शिक्षकों के सहयोग से सितोलिया प्रीमियर लीग 6.0 का आयोजन किया गया। पीएफसी एज्युकेशन को निदेशक मिनाक्षी भेरवानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे माहौल ऊर्जा से भर गया। सितोलिया, जो कि पारंपरिक भारतीय खेलों में से एक है, ने सभी खिलाड़ियों को रोमांचित कर दिया और उन्होंने अपनी खेल कौशल, रणनीति और टीम वर्क का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि खेल को और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक बनाने के लिए चार टीमों का गठन किया गया। जिसमें मीनाक्षी के महारथी में हिमानी, तंजील, कृतिका, मयद, हनीशा, भव्या, देवांश, खुश,

महक, संजना, अमृतलक्ष आवेश में विशा कशक, खुशी, गुं पृथ्वीराज भूमि, अ मुस्तनिसि खे प्रतियोगि उकृष्ट भावना ने शान दूसरे कं को प्राप्त

गवली न की



मुंबई के शैक्षणिक विभिन्न रूप आय प्र साधुन, सहयोग पिछले 6 या, दोनों डेशन के छोटे भाई नऊडेशन

Particulars	Statement of Standalone and Consolidated Un-audited Results for the quarter and period ended December 31, 2024											
	Standalone				Consolidated							
	Quarter ended 31/12/2024	30/9/2024	31/12/2023	31/12/2024	31/12/2023	31/3/2024	31/12/2024	31/12/2023	31/3/2024	31/12/2024	31/12/2023	31/3/2024
Total Income	720.88	738.77	750.83	2818.99	3128.21	4486.78	682.48	714.15	732.7	2514.41	3051.80	4358.28
Net Profit for the period before Tax, Exceptional and/or Extraordinary Items	75.42	5.03	-140.33	136.30	(127.81)	13.78	-17.45	(32.01)	-184.07	(42.63)	(268.63)	(180.78)
Net Profit for the period before tax after Exceptional and/or Extraordinary Items	60.41	4.03	-144.88	109.18	(127.81)	3.73	-32.47	(33.91)	-178.73	(68.79)	(268.63)	(180.84)
Net Profit for the period after tax after Exceptional and/or Extraordinary Items	60.41	4.03	-144.88	109.18	(127.81)	3.73	-32.47	(33.91)	-178.73	(68.79)	(268.63)	(180.84)
Share of Profit/Loss of associates and Joint Ventures accounted for using Equity method	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	(35.48)	0.00	(20.47)	45.82
Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit / Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	60.41	4.03	-144.88	109.18	(127.81)	3.73	-32.47	(33.91)	-215.22	(68.79)	(290.10)	(144.82)
Equity Share Capital	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70	884.70
Reserves including Retention Reserve as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	12827.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	11601.82
Earnings Per Share (of Rs. 10/- each)												
1. Basic	0.68	0.05	-1.62	1.22	(1.43)	0.04	-0.38	(0.38)	-2.41	(0.78)	(3.24)	(1.62)
2. Diluted	0.68	0.05	-1.62	1.22	(1.43)	0.04	-0.38	(0.38)	-2.41	(0.78)	(3.24)	(1.62)

EXPLANATORY NOTES
The standalone and consolidated financial results of the Company for the quarter and period ended December 31, 2024 have been reviewed and recommended by the Audit Committee and approved by the Board of directors at their respective meetings held on February 10, 2025.
The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.
The full format of the Quarterly Financial Results are available on the websites of the Stock Exchanges and on Company's Website.
Place: Udaipur
Date: 10-02-2025
For Madhav Marbles And Granites Ltd. Sd/-
Madhav Desai,
CEO and Managing Director (DIN: 02815410)